फिरौती के लिए फैक्टरी कर्मी का अपहरण, 12 घंटे में पर्दाफाश, पांच गिरफ्तार, अपहृत को मुक्त कराया

तांत्रिक ने छह साथियों के साथ मिलकर दिया वारदात को अंजाम, तांत्रिक और उसका एक साथी अभी पकड़ से बाहर

संवाद न्यूज एजेंसी

अमरोहा। क्षेत्र के एक तांत्रिक ने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर फैक्टरी कर्मचारी का अपहरण कर लिया। फोन करके दो लाख रुपये फिरौती मांगी। पुलिस सादे कपड़ों में फिरौती देने का नाटकर रचते हुए अपहरणकर्ताओं तक पहुंच गई। दो लोगों को गिरफ्तार करके अपहृत को मुक्त करा लिया और आरोपियों के तीन अन्य साथी भी गिरफ्तार कर लिए। गिरफ्तार लोगों में एक महिला भी शामिल है। पुलिस को अभी तांत्रिक और उसके एक साथी की तलाश है।

एएसपी अजय प्रताप सिंह ने गुरुवार को वारदात का खुलासा करते हुए बताया कि असमौली थानाक्षेत्र के मंसूरपुर माफी निवासी राबुल हाईवे स्थित एक निर्यात फैक्टरी में नौकरी करता है। मिठनपुर निवासी सूखा भी उसी फैक्टरी में काम करता है। बुधवार को सूखा और राबुल दोनों नीलीखेड़ी निवासी जावेद नाम के तांत्रिक के पास गए थे। वहां एक महिला सहित कई लोग पहले से मौजूद थे। जावेद ने सभी लोगों को तंत्र क्रिया से जिन्न को खुश करने और फिर नोट बरसने (दस करोड़ रुपये मिलने) का लालच दिया। काफी देर तक तंत्र क्रिया भी की। इसके बाद तांत्रिक जावेद महिला सहित छह लोगों के साथ राबुल को एक जियारत पर ले गए, वहां से उसे अगवा कर लिया।

डिडौली कोतवाली में अपहरण का खुलासा करते एएसपी अजय प्रताप सिंह।

फिरौती देने के अंदाज में सादे कपड़ों में बैग रुपयों को लेकर अपहरणकर्ताओं तक पहुंची पुलिस

कुछ घंटे बाद उसके परिजनों को फोन कर दो लाख रुपये की फिरौती मांगी। पीड़ित पिता मंगा ने आरोपियों को रुपये देने की तैयारी शुरू करने के साथ डिडौली कोतवाली पुलिस को भी मामले की जानकारी दे दी। एसपी डॉ विपिन ताडा ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए एएसपी के नेतृत्व में पांच टीमें गठित कर कार्रवाई के निर्देश दिए।

पुलिस की एक टीम ने फोन नंबर से लोकेशन ट्रैस करने में लग गई। दूसरी टीम सादे कपड़ों में फिरौती देने के अंदाज में नोटों के भरा बैग लेकर बताए गए स्थान पर पहुंच गई। फिरौती की रकम लेने आए नूर नजर और उसके बहनोई नईम को पुलिस टीम ने दबोच लिया। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने अपहृत राबुल को इकौंदा के जंगल से मुक्त करा लिया। वहां मौजूद सिब्तेहसन व आदिल निवासी आगापुर हसनपुर और नजराना निवासी मनिहारी जिला कटिहार बिहार हाल पता निवासी ई-12/40 केएच नंबर 5 हौजरानी मालवीय नगर साउथ दिल्ली को गिरफ्तार कर लिया।

मुख्य आरोपी तांत्रिक जावेद और जियाउद्दीन फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही हैं। इंस्पेक्टर अजय कुमार के मुताबिक अपहृत के पिता ने सूखा को आरोपी बनाया था, उसने आरोपियों की गिरफ्तारी में काफी मदद की है।

जेवर गिरवी रखे.. रिश्तेदारों से लेकर जुटाए दो लाख रुपये

संवाद न्यूज एजेंसी

अमरोहा। फैक्टरी कर्मचारी के अपहरण के बाद उनके परिजनों के बारह घंटे गम और दहशत में गुजरे। जहन में अनहोनी का खौफ रहा। बेटे को कुछ न हो, इसलिए परिजनों ने दो लाख रुपये की फिरौती देना स्वीकार कर ली। मां के जेवर गिरवी रखे...ग्रामीण और रिश्तेदारों से उधार रुपये लेकर आरोपियों को देने के लिए दो लाख रुपये जुटाए। बेबस परिजनों ने पुलिस का सहारा लिया। पिता की सूझबूझ और पुलिस की सतर्कता से अपहृत को सकुशल बचा लिया गया। अपहृत के सकुशल वापस आने के बाद परिवार के लोग खुश हैं। मां ने पुलिस का शुक्रिया अदा किया।

असमौली थानाक्षेत्र के मंसूरपुर माफी निवासी मंगा पेशे से किसान हैं। उनके पास चार बीघा जमीन है। उनके परिवार में पत्नी मकशून के अलावा सात बेटे और एक बेटी है। चार बेटों की शादी हो चुकी है। सभी बेटे रोजमर्रा की मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण करते हैं। चौथे नंबर का बेटा राबुल का भी अपना परिवार है। उसके

दहशत में गुजरे अपहृत के परिजनों के बारह घंटे, घर वापसी पर ली राहत की सांस

परिवार में पत्नी नसीम जहां के अलावा चार बच्चे हैं। वह डिडौली में हाईवे स्थित एक फैक्टरी में नौकरी करता है। बुधवार को उसका अपहरण हो गया किसी तो खबर नहीं थी। लेकिन, जब अपहणकर्ताओं ने दो लाख रुपये की फिरौती मांगी तो परिजनों के होश उड़ गए। रोजमर्रा की मजदूरी करके परिवार का पालन पोषण करने वाले किसान के लिए दो लाख रुपये जुटाना आसान नहीं था। बेटे के साथ कोई अनहोनी न हो जाए इसकी बात का डर सता रहा था। तभी मंगा ने पत्नी के जेवर गिरवी रखे...ग्रामीणों और रिश्तेदारों से दो लाख रुपये जुटाए। इसके बाद पुलिस से संपर्क किया और बेटे को सकुशल बरामद करने की गुहार लगाई था। राबुल के बड़े भाई कमर आलम ने बताया कि फिरौती के लिए अपहरण का फोन आते ही परिवार के लोग दंग रह गए थे। बारह घंटे परिवार के लोग दहशत में रहे। मां मकशूम और पत्नी नसीम जहां का रो-रोकर बुरा हाल था।

खुलासा करने वाली टीम

इंस्पेक्टर अजय कुमार, एसआई विपिन कुमार, हैड कांस्टेबल रघुवीर सिंह, कांस्टेबल मुकेशकुमार, सुशीलकुमार, उदयवीर, महिला कांस्टेबल रेनूरानी और सोनिया मौजूद रहीं। वहीं एसओजी टीम को विशेष सहयोग रहा।